# चद्रमा जिनका भाल सजाये

तर्ज - जहाँ  डाल डाल पर सोने की

चन्द्रमा जिनका भाल सजाये
और जटा में गंगा समाये
वो हैं भोले भंडारी ॥
तन पे अपने भस्म रमाये

और गले में सर्प लिपटाये
और गले में सर्प लिपटाये
सृष्टि की रक्षा हेतु
पी गए जो विष भारी

वो है भोले भंडारी ॥
जब शिव शंकर का डमरू बजे,
धरती और गंगन भी नाचे
संग में उनके गण भी नाचे,

नाचे सृष्टि सारी
वो है भोले भंडारी ॥
शिव शंकर की अजब
है माया सरे जहाँ को

मोह में रमाया
स्वयं के मन को मोह से
बचके बन बैठे बैरागी
वो है भोले भंडारी ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/chandhar-maa-jinka-baal-sajaye-or-jata-me-ganga-samaye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw